ऊर्जा का अपव्यय

4046. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **विद्युत** मंत्री 9 मार्च, 1993 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 1724 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में विद्युत उपभोग की प्रति व्यक्ति मात्रा विश्व की तुलना में सबसे कम है ;

(ख) यदि हां, तो देश में प्रति व्यक्ति प्रति घंटा उपभोग की मात्रा कितनी है और देश में विद्युत की हानि का प्रतिशत कितना है और विश्व में विद्युत की हानि का अनुमानित प्रतिशत कितना है; और

(ग) क्या सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान इस हानि में कमी लाने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया है ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी०वी० रंगैय्या नायडू) : (क) और (ख) वर्ष 1991-92 के दौरान भारत में प्रति व्यक्ति खपत 267.95 कि०वा० आवर थी जोकि विकसित देशों की तुलना में काफी कम है परन्तु कुछ अल्प विकसित देशों से अधिक है। वर्ष के दौरान देश में विद्युत की प्रतिव्यक्ति प्रति घंटा खपत 30.59 वाट आवर आंकी गई है। देश में 1991-92 के दौरान पारेषण एवं वितरण हानियां 22.92% थी जबकि कुछ विकसित देशों में ये 3-11% थी।

(ग) 8वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान पारेषण एवं वितरण हानियां में 1% प्रति वर्ष कमी किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ताकि योजना के अन्त में राष्ट्रीय स्तर पर 5% की कुल औसत कमी प्राप्त की जा सके।

विद्युत क्षेत्र के लिये विश्व बैंक ऋण का उपयोग

4047. **श्री राम जेठमलानी :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या **विद्युत** मंत्री 16 मार्च, 1993 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या 2629 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के विद्युत क्षेत्र के लिए ऋण के संबंध में विश्व बैंक द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देशों के फलस्वरूप विद्युत क्षेत्र पर क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि विश्व बैंक द्वारा दी गई ऋण राशि का बहुत बड़ा भाग जनवरी, 1993 तक बिना उपयोग के ही कोष में पड़ा था; और

(ग) यदि हां, तो यह अप्रयुक्त धनराशि कितनी थी; और इस पर सरकार को कितना वार्षिक ब्याज देना पड़ेगा ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी०वी० रंगैय्या नायडू) : (क) विद्युत क्षेत्र के लिए ऋण के बारे में विश्व बैंक द्वारा जारी किये गये दिशानिर्देशों के फलस्वरूप राज्य बिजली बोर्डों के वित्तीय कार्य निष्पादन में सुधार होने और विद्युत क्षेत्र के लिए संसाधनों की उपलब्धिता में बढ़ोत्तरी होने की आशा है ;

(ख) और (ग) 31 जनवरी, 1993 की स्थिति के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष के लिए विश्व बैंक के ऋण की राशि जिसका समुपयोजन नहीं किया जा सका 637.75 करोड़ रुपए है। जो राशि प्राप्त नहीं की गई है इस पर किसी प्रकार का ब्याज देय नहीं है।